आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 02.03.2025 **समय : 0705**

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा – सरकार कृषि क्षेत्र के विकास और ग्रामीण समृद्धि के दोहरे लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।**
- **द्वीपसमूह के दौरे पर आए नौसेना प्रमुख ने कल राज निवास में उप राज्यपाल से मुलाकात की।**
- **कृषि विभाग ने फसलों पर बढ़ते कीट प्रकोप के खतरे को देखते हुए प्रबंधन तकनीकों से अवगत कराने की पहल की है।**
- **कला और संस्कृति विभाग की ओर से निकोबारी परम्पराओं के संरक्षण के लिए प्रतियोगिता आयोजित।**

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार कृषि क्षेत्र के विकास और ग्रामीण समृद्धि के दोहरे लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। श्री मोदी ने कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर कल एक बजट पश्चात वेबिनार को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ने का सरकार का संकल्प बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं, जहां किसान समृद्ध और सशक्त बनें। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी किसान पीछे न छूटे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को सशक्त करने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने केंद्रीय बजट में 'पीएम धन धान्य कृषि योजना' की घोषणा की है, जिसमें सबसे कम कृषि उत्पादकता वाले सौ जिलों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज कृषि उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर है।

<><><><><><><>

अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह के दौरे पर आए नौसेना प्रमुख एडमिरल डी.के. त्रिपाठी ने कल राज निवास में उप राज्यपाल और द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी.के. जोशी से मुलाकात कर विभिन्न विकासीय मुद्दों पर चर्चा की गई।

<><><><><><><>

डॉक्टर बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम रही ''वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवा को सशक्त बनाना'' जिसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना और नवाचार को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इसरो के वैज्ञानिक देवदास पाइक मौजूद थे। उन्होंने छात्रों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के छात्रों ने अपनी अनूठी तकनीकी परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। इस सफल आयोजन से शिक्षा और नवाचार को मजबूत किया गया।

<><><><><><><>

पर्यावरण और वन विभाग के बावनवें बैच के वनरक्षकों का पासिंग आउट समारोह हाल ही में विम्बर्लीगंज के प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया गया। इस समारोह में उन्नीस नवनियुक्त वनरक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने पासिंग आउट परेड के दौरान प्रशिक्षुओं से गार्ड ऑफ ऑनर लिया और उन्हें पदक तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में उन्होंने प्रशिक्षुओं को जंगलों में समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए पूरी ईमानदारी, और क्षमता के साथ अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने का आह्वान किया। उन्होंने उन्हें वानिकी और संबद्ध क्षेत्रों में नई तकनीकों और विकास के साथ खुद को हमेशा अपडेट रहने को कहा। अतिरिक्त मुख्य वन संरक्षक रवि होरो, ने वन रक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। वन प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ए सी तिलक ने पाठ्यक्रम रिपोर्ट और बैच का परिणाम प्रस्तुत किया। वन रक्षक इंदु निखिल को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद अपने राजस्व को बढ़ाने के प्रयास में, कल डेयरी फार्म, शादीपुर, मजार पहाड़ और साउथ प्वाइंट में विशेष कर संग्रह अभियान चलाया। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों के लिए करों का भुगतान को आसान बनाना है। अभियान के परिणामस्वरूप नगरपालिका करों में तैंतालीस लाख सत्तर

हजार तीन सौ चार रुपये का संग्रह हुआ। आगामी शनिवार को चक्करगांव, जंगलीघाट और डेयरीफार्म में अभियान चलाया जाएगा।

<><><><><><><><>

कृषि विभाग ने फसलों पर बढ़ते कीट प्रकोप के खतरे को देखते हुए इन कीटों की पहचान और प्रबंधन तकनीकों से अवगत कराने की पहल की है। इस पहल का उद्देश्य किसानों के क्षेत्र स्तर पर कीट नियंत्रण रणनीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है। इस संबंध में, कल वर्चुअल मोड के माध्यम से केरल कृषि विश्वविद्यालय और केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञों के सहयोग से एक अभिविन्यास और व्याख्यान आयोजित किया गया। केरल कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉ. मणिचेलपन और कृषि विज्ञान केंद्र, सिप्पीघाट के विषय विशेषज्ञ मोहित ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से सत्र को संबोधित किया और जैविक तरीकों के माध्यम से नियंत्रण उपायों पर जोर दिया। केवीके के प्रमुख वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. वाई. रामकृष्ण ने व्यावहारिक रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया, जिन्हें क्षेत्र में लागू किया जा सकता है। व्याख्यान एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ समाप्त हुआ, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विस्तार कार्यकर्ताओं ने चिंताएं व्यक्त कीं और कीट प्रबंधन पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन मांगा। यह आयोजन ज्ञान–साझाकरण के लिए एक सूचनाप्रद और आकर्षक मंच साबित हुआ, जिसने कृषि अधिकारियों को कीटों के संक्रमण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उन्नत कौशल से लैस किया।

<><><><><><><><>

कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा निकोबारी समुदाय की भाषा, परम्पराओं और पहचान को संरक्षित करने के उद्देश्य से एक पुस्तक प्रकाशित करने जा रहा है, जो समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाएंगे। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसमें निकोबार जिले के छात्र, शिक्षक, जनजातीय सदस्य और सरकारी कर्मचारी भाग ले सकेंगे। लोक कथाएं और लोक गीत श्रेणियों में प्रतिभागियों की प्रविष्टियां निकोबारी भाषा में होगी, जिनका अंग्रेजी या हिन्दी में अनुवाद अनिवार्य होगा। विजेताओं को दस हजार, आठ हजार और पांच हजार के नकद पुरस्कार मिलेंगे, जबकि दो हजार रूपए के पांच सांत्वना पुरस्कार होंगे। सभी प्रमाणित प्रविष्टियां एक पुस्तक में संकलित की जाएगी, जिसे एक मई दो हजार पच्चीस को प्रकाशित किया जाएगा। कल से शुरू हुई यह प्रतियोगिता इक्तीस मार्च तक चलेगी। यह पहल निकोबारी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

<><><><><><><><>

दक्षिण अण्डमान जिला प्रशासन ने अवैध मिट्टी खनन और उसके अनधिकृत परिवहन पर कड़ी कार्रवाई की है। हाल ही में हुए निरीक्षण में विभिन्न स्थानों पर नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए, जिसके चलते दोषियों पर भारी जुर्माना लगाया गया। दक्षिण अण्डमान उपायुक्त ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि द्वीपसमूह में भूमि विनियमन का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

<><><><><><><><>

पोक्सो अधिनियम के तहत विशेष न्यायाधीश सुभाजीत बासु ने पोक्सो मामले में ओरलकच्छा निवासी एक आरोपी को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के अपराध में बीस वर्ष की कठोर कारावास के साथ बीस हजार रूपए जुर्माने की सजा सुनाई है। इस अपराध में पीड़िता जो आरोपी की छोटी बहन थी, जो उसके पैतृक घर में रहती थी। उसे अपने बड़े भाई द्वारा कई बार यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा। तेरह दिसम्बर दो हजार तेईस को पीड़िता की शिकायत मिलने पर बाराटांग पुलिस थाना में पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया, जिससे आरोपी के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की गई। यह कार्य जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर शिल्पा दत्ता और बाराटांग थाना प्रभारी की देखरेख में किया गया।

<><><><><><><><>